परिचय – डॉ0 अतुल कृष्ण

कुछ व्यक्तित्व अपनी कर्मशीलता तथा युगांतरकारी संकल्पधर्मिता के कारण समस्त मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत बन जाते हैं। ऐसे ही हैं, डॉ0 अतुल कृष्ण। उदार राष्ट्रवाद के समर्थक, मानव मूल्यों के प्रति पूर्ण समर्पित, जिसका जीवन विनम्रता और सादगी का एक उदाहरण है। उनका जन्म एक संस्कारित शिक्षक परिवार में हुआ। उनके पिता डॉ0 कृष्ण कुमार भटनागर अर्थशास्त्री तथा राष्ट्रवादी विचारों के थे एवं माता श्रीमती राजवती भटनागर एक धर्मनिष्ठ तथा अति दयालु प्रवृति की महिला थीं।

डॉ0 अतुल कृष्ण ने वर्ष 1975 में एम0बी0बी0एस0 की परीक्षा पास की एवं 1980 में सर्जरी में एम0एस0 की डिग्री प्राप्त की। आपने निजी प्रेक्टिस में चिकित्सा निकेतन, कमल नर्सिंग होम एवं लोकप्रिय अस्पताल की स्थापना की। आगे चलकर मेरठ में स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय एवं देहरादून में रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय की स्थापना की। देहरादून में ही बिहाईव समूह के विद्यालयों की स्थापना की। आपने बिजनौर में के0एल0एस0 इन्स्टीट्यूट की स्थापना की। ग्रामीण क्षेत्रों में आपने कक्षा 12 तक के 4 विद्यालयों एवं 4 ग्रामीण अस्पतालों की स्थापना की है।

लेखन के क्षेत्र में आपने समाज में व्याप्त जाति एवं वर्ण व्यवस्था पर कुठाराघात करते हुए पलायन के नाम से एक उपन्यास लिखा। राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की मूल भावना से प्रेरित होकर आपने 'आधारशिला' एवं 'केले का छिलका' नाम से दो कथा संग्रहों की रचना की। धार्मिक पर्वों के अनुष्ठानों के धार्मिक, व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक आधार को जोड़ते हुए एक लघु पुस्तिका नवरात्रि व्रत पारायण नाम से लिखी है। डॉ0 अतुल कृष्ण जितने संवेदनशील कथाकार हैं, उतने ही गम्भीर विचारक भी हैं। वे जहां एक चिकित्सक है, वहीं शिक्षाविद भी है, वहीं भावुक कथाकार और मानव मूल्यों की रक्षार्थ गम्भीर चिंतक भी हैं। इसके साथ समाज सुधार के विभिन्न प्रकल्पों के योजनाकार भी। इस प्रकार वे एक बहुआयामी व्यक्ति हैं।

डॉ0 अतुल देश की एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ करने के लिए प्रयासरत हैं। एक चरित्रवान व्यक्ति ही राष्ट्र–निर्माण का आधार हो सकता है, अतः इस पुस्तक के माध्यम से उन्होंने प्रयास किया है कि देश के भावी कर्णधारों को अपने देश का सही इतिहास पता चले एवं उनमें राष्ट्रीय–चरित्र विकसित हो। यूं तो ये पुस्तक माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक कक्षा के छात्रों को दृष्टिगत रख कर लिखी गई है परन्तु वास्तव में ये सभी आयु एवं वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

अशोक त्यागी
उप–संपादक

मूल्य :- रु २००/-

अभिनव भारत चैरिटेबिल ट्रस्ट
प्रचार एवं प्रसार विभाग, सरदार पटेल भवन, सुभारतीपुरम, मेरठ बाईपास मार्ग, मेरठ, उत्तर प्रदेश – 250005
दूरभाष :– 9997234635
ई–मेल :– abhinavbharat@subharti.org

राष्ट्र–अनुभूति

(माध्यमिक संस्करण)
भाग–1

एक भारत, श्रेष्ठ भारत॥
राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम॥

लेखक एवं संपादक
डॉ. अतुल कृष्ण

परिचय – डॉ0 अतुल कृष्ण

कुछ व्यक्तित्व अपनी कर्मशीलता तथा युगांतरकारी संकल्पधर्मिता के कारण समस्त मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत बन जाते हैं। ऐसे ही हैं, डॉ0 अतुल कृष्ण। उदार राष्ट्रवाद के समर्थक, मानव मूल्यों के प्रति पूर्ण समर्पित, जिसका जीवन विनम्रता और सादगी का एक उदाहरण है। उनका जन्म एक संस्कारित शिक्षक परिवार में हुआ। उनके पिता डॉ0 कृष्ण कुमार भटनागर अर्थशास्त्री तथा राष्ट्रवादी विचारों के थे एवं माता श्रीमती राजवती भटनागर एक धर्मनिष्ठ तथा अति दयालु प्रवृति की महिला थीं।

डॉ0 अतुल कृष्ण ने वर्ष 1975 में एम0बी0बी0एस0 की परीक्षा पास की एवं 1980 में सर्जरी में एम0एस0 की डिग्री प्राप्त की। आपने निजी प्रेक्टिस में चिकित्सा निकेतन, कमल नर्सिंग होम एवं लोकप्रिय अस्पताल की स्थापना की। आगे चलकर मेरठ में स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय एवं देहरादून में रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय की स्थापना की। देहरादून में ही बिहाईव समूह के विद्यालयों की स्थापना की। आपने बिजनौर में के0एल0एस0 इन्स्टीट्यूट की स्थापना की। ग्रामीण क्षेत्रों में आपने कक्षा 12 तक के 4 विद्यालयों एवं 4 ग्रामीण अस्पतालों की स्थापना की है।

लेखन के क्षेत्र में आपने समाज में व्याप्त जाति एवं वर्ण व्यवस्था पर कुठाराघात करते हुए पलायन के नाम से एक उपन्यास लिखा। राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की मूल भावना से प्रेरित होकर आपने 'आधारशिला' एवं 'केले का छिलका' नाम से दो कथा संग्रहों की रचना की। धार्मिक पर्वों के अनुष्ठानों के धार्मिक, व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक आधार को जोड़ते हुए एक लघु पुस्तिका नवरात्रि व्रत पारायण नाम से लिखी है। डॉ0 अतुल कृष्ण जितने संवेदनशील कथाकार हैं, उतने ही गम्भीर विचारक भी हैं। वे जहां एक चिकित्सक है, वहीं शिक्षाविद भी है, वहीं भावुक कथाकार और मानव मूल्यों की रक्षार्थ गम्भीर चिंतक भी हैं। इसके साथ समाज सुधार के विभिन्न प्रकल्पों के योजनाकार भी। इस प्रकार वे एक बहुआयामी व्यक्ति हैं।

डॉ0 अतुल देश की एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ करने के लिए प्रयासरत हैं। एक चरित्रवान व्यक्ति ही राष्ट्र–निर्माण का आधार हो सकता है, अतः इस पुस्तक के माध्यम से उन्होंने प्रयास किया है कि देश के भावी कर्णधारों को अपने देश का सही इतिहास पता चले एवं उनमें राष्ट्रीय–चरित्र विकसित हो। यूं तो ये पुस्तक माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक कक्षा के छात्रों को दृष्टिगत रख कर लिखी गई है परन्तु वास्तव में ये सभी आयु एवं वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

अशोक त्यागी
उप–संपादक

मूल्य :- रु २००/-

अभिनव भारत चैरिटेबिल ट्रस्ट
प्रचार एवं प्रसार विभाग, सरदार पटेल भवन, सुभारतीपुरम, मेरठ बाईपास मार्ग, मेरठ, उत्तर प्रदेश – 250005
दूरभाष :– 9997234635
ई–मेल :– abhinavbharat@subharti.org

राष्ट्र–अनुभूति

(माध्यमिक संस्करण)
भाग–1

एक भारत, श्रेष्ठ भारत॥
राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम॥

लेखक एवं संपादक
डॉ. अतुल कृष्ण

सनातन परम्परा एवं अंग्रेज़ी
परम्परा के अन्तर्गत वर्ष के विभिन्न माह

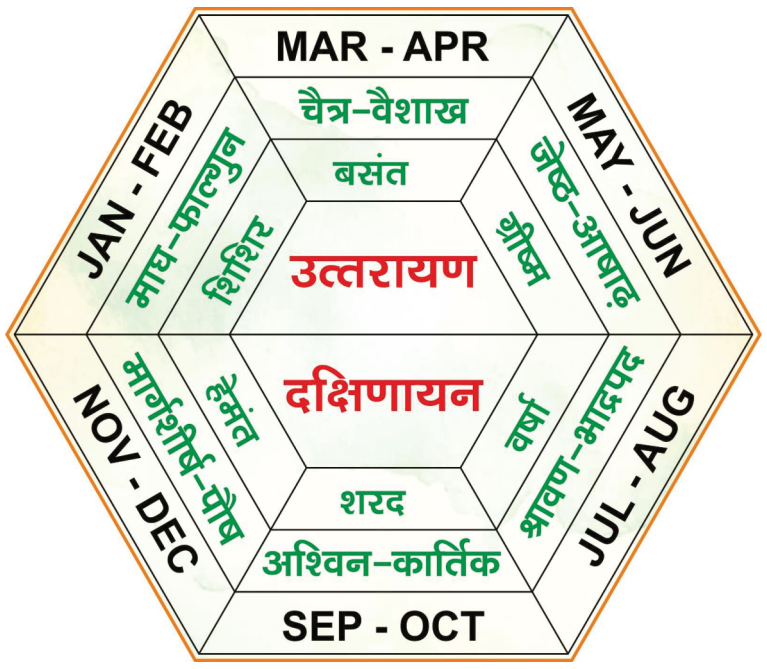

शहीद स्मारक एवं उपवन क्लब

स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, परिसर

भारत ने सैकड़ों वर्षों की दासता झेली। असंख्य ज्ञात एवं अज्ञात राष्ट्र भक्तों द्वारा सर्वोच्च बलिदान देते हुए देश को स्वतन्त्र कराया। इन महान देशभक्तों एवं क्रान्तिकारियों ने व्यक्तिगत एवं संगठित रूप में अपना बलिदान दिया। यदि हमारी युवा पीढ़ी इन क्रान्तिकारियों के बलिदानों को जाने, समझे एवं याद करे तो उनमें राष्ट्रीय चरित्र अवश्य ही विकसित होगा। इस उद्देश्य से स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा लगभग 6 एकड़ भूमि में शहीद स्मारक एवं उपवन को विकसित किया गया है। इस स्मारक में वर्ष 1943 एवं उसके बाद से संगठित रूप से क्रान्ति करने वाले सभी ज्ञात क्रान्तिकारियों, स्वतन्त्रता के बाद भारत की अस्मिता की रक्षा करने वाले तमाम ज्ञात वीरों के नाम लिखे गए हैं। इसके अतिरिक्त इस स्मारक में 1943 से पूर्व के भी व्यक्तिगत रूप से कार्य कर रहे बलिदानियों के नाम एवं चित्र भी प्रदर्शित किए गए हैं। शहीद उपवन के एक भाग को कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनानियों के नाम समर्पित किया गया है। प्रत्येक शहीद के नाम पर एक वृक्ष रोपित किया गया है। हमारा प्रयास आने वाली पीढ़ियों को सशस्त्र बलों के हमारे युवा अधिकारियों एवं जवानों द्वारा दिए गए बलिदान को जानने एवं पहचानने के लिए जागरूक करना है और उन्हें याद करके उनका सम्मान करने का है। एक स्मारक, वीरता का एक 'मंदिर' जहां हम अपने राष्ट्र के बहादुर शहीदों की यादों के साथ एक बन्धन/सम्बन्ध विकसित करते हैं। शहीद स्मारक एवं उपवन की सदस्यता ग्रहण करना शहीदों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।

सदस्यता शुल्क (परिवर्तनीय)

1. सामान्य सदस्यता (वार्षिक) – रूपये 1,000/- समकक्ष विदेशी मुद्रा
2. विशिष्ट सदस्यता (5 वर्षीय) – रूपये 5,000/- समकक्ष विदेशी मुद्रा
3. आजीवन सदस्यता – रूपये 21,000/- समकक्ष विदेशी मुद्रा
4. संरक्षक सदस्यता – रूपये 51,000/- समकक्ष विदेशी मुद्रा
5. कार्पोरेट सदस्यता – रूपये 3,00,000/- समकक्ष विदेशी मुद्रा

क्लब की सदस्यता आपको शहीद स्मारक परिवार का सदस्य बनने का अवसर देती है। वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के अतिरिक्त सदस्यों को सुभारती समूह के संस्थानों में विभिन्न सुविधाएं प्रदान करती है।

SCAN & PAY

UPI ID : 68338901@ubin

Call +91 9054954341, 9639010181, 9068899913

www.shaheedupwanclub.com

आई.एन.ए. शहीद स्मारक और कारगिल शहीद स्मृति उपवन, कर्नल एच.के. सहरावत द्वार (गेट नंबर 4)
स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, एन.एच.-58, दिल्ली-हरिद्वार बाईपास रोड, मेरठ।

आपका अपना डॉ॰ के.के.बी.एम.
सुभारती अस्पताल
देहरादून
सुभारतीपुरम, फेज-2, एन॰ एच॰ 72, झाझरा, चकराता रोड़, देहरादून

सुभारती नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र
गांजा, भांग, सुल्फा, अफीम, स्मैक, कोकीन, शराब,
तम्बाकू, व्हाइटनर, नेल पॉलिश रिमूवर, नशे की गोलियाँ,
खांसी की दवा आदि के व्यसनी, अपने जीवन को
मधुर, सार्थक एवं सफल बनाने हेतु सम्पर्क करें।
deaddictionsubharti@gmail.com
976-092-0865 908-477-7255

सनातन परम्परा एवं अंग्रेज़ी
परम्परा के अन्तर्गत वर्ष के विभिन्न माह

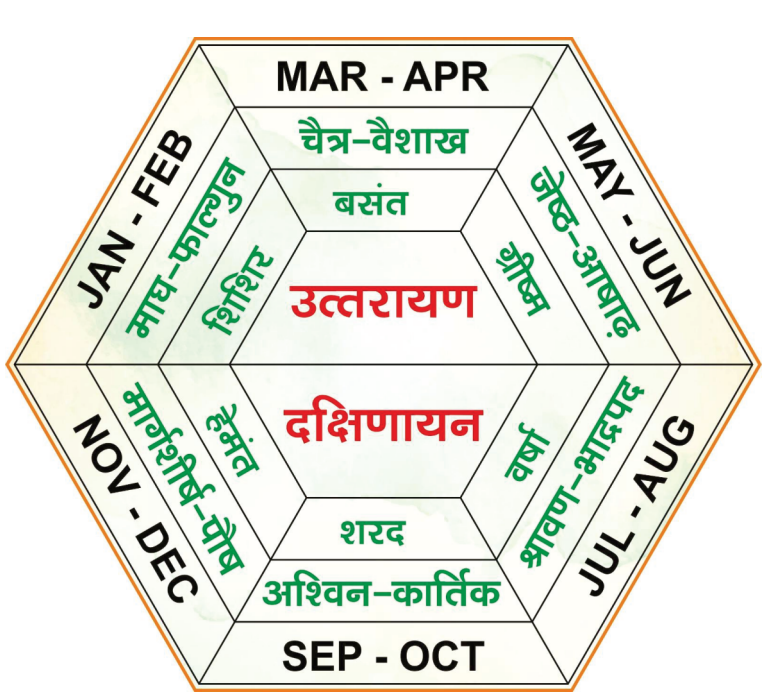

शहीद स्मारक एवं उपवन क्लब

स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, परिसर

भारत ने सैकड़ों वर्षों की दासता झेली। असंख्य ज्ञात एवं अज्ञात राष्ट्र भक्तों द्वारा सर्वोच्च बलिदान देते हुए देश को स्वतन्त्र कराया। इन महान देशभक्तों एवं क्रान्तिकारियों ने व्यक्तिगत एवं संगठित रूप में अपना बलिदान दिया। यदि हमारी युवा पीढ़ी इन क्रान्तिकारियों के बलिदानों को जाने, समझे एवं याद करे तो उनमें राष्ट्रीय चरित्र अवश्य ही विकसित होगा। इस उद्देश्य से स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा लगभग 6 एकड़ भूमि में शहीद स्मारक एवं उपवन को विकसित किया गया है। इस स्मारक में वर्ष 1943 एवं उसके बाद से संगठित रूप से क्रान्ति करने वाले सभी ज्ञात क्रान्तिकारियों, स्वतन्त्रता के बाद भारत की अस्मिता की रक्षा करने वाले तमाम ज्ञात वीरों के नाम लिखे गए हैं। इसके अतिरिक्त इस स्मारक में 1943 से पूर्व के भी व्यक्तिगत रूप से कार्य कर रहे बलिदानियों के नाम एवं चित्र भी प्रदर्शित किए गए हैं। शहीद उपवन के एक भाग को कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनानियों के नाम समर्पित किया गया है। प्रत्येक शहीद के नाम पर एक वृक्ष रोपित किया गया है। हमारा प्रयास आने वाली पीढ़ियों को सशस्त्र बलों के हमारे युवा अधिकारियों एवं जवानों द्वारा दिए गए बलिदान को जानने एवं पहचानने के लिए जागरूक करना है और उन्हें याद करके उनका सम्मान करने का है। एक स्मारक, वीरता का एक 'मंदिर' जहां हम अपने राष्ट्र के बहादुर शहीदों की यादों के साथ एक बन्धन/सम्बन्ध विकसित करते हैं। शहीद स्मारक एवं उपवन की सदस्यता ग्रहण करना शहीदों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।

सदस्यता शुल्क (परिवर्तनीय)

1. सामान्य सदस्यता (वार्षिक) – रूपये 1,000/- समकक्ष विदेशी मुद्रा
2. विशिष्ट सदस्यता (5 वर्षीय) – रूपये 5,000/- समकक्ष विदेशी मुद्रा
3. आजीवन सदस्यता – रूपये 21,000/- समकक्ष विदेशी मुद्रा
4. संरक्षक सदस्यता – रूपये 51,000/- समकक्ष विदेशी मुद्रा
5. कार्पोरेट सदस्यता – रूपये 3,00,000/- समकक्ष विदेशी मुद्रा

क्लब की सदस्यता आपको शहीद स्मारक परिवार का सदस्य बनने का अवसर देती है। वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के अतिरिक्त सदस्यों को सुभारती समूह के संस्थानों में विभिन्न सुविधाएं प्रदान करती है।

SCAN & PAY

UPI ID : 68338901@ubin

Call +91 9054954341, 9639010181, 9068899913

www.shaheedupwanclub.com

आई.एन.ए. शहीद स्मारक और कारगिल शहीद स्मृति उपवन, कर्नल एच.के. सहरावत द्वार (गेट नंबर 4)
स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, एन.एच.-58, दिल्ली-हरिद्वार बाईपास रोड, मेरठ।

आपका अपना डॉ॰ के.के.बी.एम.
सुभारती अस्पताल
देहरादून
सुभारतीपुरम, फेज-2, एन॰ एच॰ 72, झाझरा, चकराता रोड़, देहरादून

सुभारती नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र
गांजा, भांग, सुल्फा, अफीम, स्मैक, कोकीन, शराब,
तम्बाकू, व्हाइटनर, नेल पॉलिश रिमूवर, नशे की गोलियाँ,
खांसी की दवा आदि के व्यसनी, अपने जीवन को
मधुर, सार्थक एवं सफल बनाने हेतु सम्पर्क करें।
deaddictionsubharti@gmail.com
976-092-0865 908-477-7255